हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 79 देहरादून, सोमवार, 12 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

स्पीकर खंडूडी ने कोटद्वार में जनता मिलन में सुनी फरियाद, दिए निर्देश 5

# शराब कांड : तीन और मौत, दो हायर सेंटर रेफर मरने वालों की संख्या बढ़कर पहुंची 10

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

हरिद्वार, 12 सितंबर। पथरी क्षेत्र के फूलगढ़ में शराब कांड में रविवार को तीन और ग्रामीणों की मौत हो गई। इसके साथ ही मरने वाले ग्रामीणों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। रविवार सुबह फूलगढ़ निवासी रूपचंद और सुखराम की तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां रूपचंद ने दम तोड़ दिया। वहीं सुखराम को हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके अलावा पिछले चार दिन से जिला अस्पताल में भर्ती फूलगढ़ निवासी आशाराम ने भी रविवार देर शाम दम तोड़ दिया।

साथ ही कनखल के रामकृष्ण मिशन अस्पताल में भर्ती फूलगढ़ निवासी अजय की हालत बिगड़ने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। लगातार ग्रामीणों की मौत के बाद अंदेशा जताया जा रहा है कि कच्ची शराब पीकर बीमार होने वालों में अन्य ग्रामीण भी हो सकते हैं। ऐसे में पुलिस-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव में घूम-घूमकर ग्रामीणों की तलाश कर रही है।

शराब कांड को लेकर जल्दबाजी में किए गए प्रशासन के दावों पर रविवार को तीन ग्रामीणों की मौत ने सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, पहले दिन से प्रशासन का फोकस शराब कांड की सफाई पर रहा। शनिवार को प्रशासन ने लिखित तौर पर यह कहा था कि आस-पास के गांव में कोई भी ग्रामीण शराब के कारण बीमार नहीं है।

**पोस्टमार्टम से पहले ही कर डाला दावा :** फूलगढ़ और शिवगढ़ में ग्रामीणों की मौत को लेकर शनिवार की सुबह से ही प्रशासन के अधिकारी लीपापोती की भूमिका में रहे।

प्रशासन ने पोस्टमार्टम होने से पहले ही बिना जांच पड़ताल के यह दावा कर डाला कि मामला जहरीली शराब से जुड़ा नहीं है। यहां तक कि मारपीट को एक ग्रामीण की मौत का कारण बता दिया गया, जबकि पोस्टमार्टम होने पर मौत का कारण स्पष्ट होने के कारण प्रशासन को खुद अपने दावे से पलटना पड़ा।

प्रशासन का सुबह का दावा सही था तो पोस्टमार्टम में मौत का कारण मारपीट क्यों नहीं आया। वहीं, जिन ग्रामीणों की मौत गुरुवार और शुक्रवार को हुई है, उन तीनों का अंतिम संस्कार बिना पोस्टमार्टम कर दिया गया। जब पोस्टमार्टम ही नहीं हुआ तो प्रशासन इतने दावे से कैसे कह सकता है कि मौत जहरीली शराब से नहीं हुई है। वह भी तब, जबकि उनके स्वजन और ग्रामीण साफ तौर पर यह बात स्वीकार कर रहे हैं कि चुनाव की शराब पीने के बाद ग्रामीणों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई और एक के बाद एक ग्रामीणों की मौत हुई।

# आपदा प्रभावितों पर सीएम धामी ने लगाया मरहम, बांटे चेक

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

पिथौरागढ़ 11 सितंबर । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्राम रांथी ( खोतिला ) में आपदा प्रभावितों से भेंट की। साथ ही आपदा प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय और हवाई निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में हम सब आपदा प्रभावितो के साथ हैं और राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा आपदा प्रभावितों के लिए रहने, खाने, और कपड़ों की उचित व्यवस्था की जाए, जिसका भुगतान सरकार के माध्यम से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री द्वारा 6 परिवारों को चेक के माध्यम से राहत राशि मुहैया कराई गई। जिसके अंतर्गत आपदा के दौरान मृत महिला के परिवार को चार लाख रुपए की राहत राशि दी गई। इसके अतिरिक्त अन्य आपदा प्रभावितों को शीघ्र ही राहत राशि उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है तथा शेष बचे आपदा प्रभावित परिवारों को शीघ्र ही राहत राशि उपलब्ध करा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने धारचूला में काली नदी के किनारे बने तटबंधों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी से कहा कि आपदा पीड़ितों को राहत पहुंचाने का हर संभव कार्य तत्परता से किया जाना चाहिए। आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए सरकार हरसंभव कार्य करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री के साथ धारचूला विधायक हरीश धामी, डीडीहाट विधायक बिशन सिंह चुफाल, ब्लॉक प्रमुख सहित जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान, मुख्य विकास अधिकारी अनुराधा पाल, उपजिलाधिकारी नंदन कुमार, उपजिलाधिकारी अनुराग आर्य सहित अन्य विभागाधिकारी उपस्थित रहे।

# उत्तराखंड में भारी वर्षा को लेकर मौसम विभाग का आरेंज अलर्ट जारी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 11 सितंबर। उत्तराखंड में मौसम के तेवर तल्ख होने लगे हैं। पहाड़ से लेकर मैदान तक बादल मंडराने के साथ ही कई स्थानों पर बौछारों का दौर जारी है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और नदी-नालों के उफान से जन-जीवन प्रभावित है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मंगलवार से तीन दिन प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। इसको लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। नदी-नालों के उफान पर आने और पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

बीते शुक्रवार से ही प्रदेश में मौसम आफत बरसा रहा है। पिथौरागढ़ के धारचूला और रुद्रप्रयाग जनपद के ऊखीमठ में भारी वर्षा ने कहर बरपाया। इसके बाद शनिवार और रविवार को भी देहरादून समेत कई जनपदों में तेज बौछारों के कई दौर हुए। कहीं-कहीं हल्की धूप के साथ बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में आंशिक से लेकर मुख्यतः बादल छाये रह सकते हैं। देहरादून और बागेश्वर जनपद में गरज के साथ तेज बौछारें पड़ सकती हैं। अन्य क्षेत्रों में बूंदाबांदी के आसार हैं।

मंगलवार से मानसून की वर्षा जोर पकड़ सकती है। देहरादून, टिहरी, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर, चंपावत और पिथौरागढ़ में तीन दिन भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसको लेकर

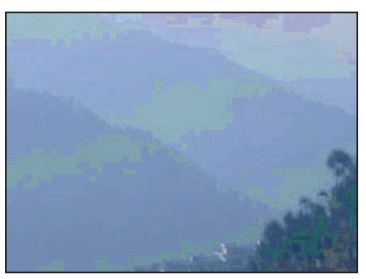

सभी जनपदों के जिला प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

बड़कोट (उत्तरकाशी) : रविवार सुबह बिना वर्षा के डबरकोट की पहाड़ी से भारी भूस्खलन हुआ। जब भूस्खलन तेज हुआ तो दांगुड गांव के देशराज सिंह अपनी बाइक छोड़कर भाग निकले तथा उनकी जान बाल-बाल बची।

देशराज सिंह की बाइक एक भारी बोल्डर के नीचे दबी। एनएच के जेसीबी आपरेटर आनंद ने भी भाग कर जान बचाई। जेसीबी आपरेटर आनंद ने बताया कि पहले रुक-रुक कर पत्थर गिर रहे थे। भूस्खलन के रुकने का इंतजार कर रहे थे कि अचानक भारी पत्थरों की वर्षा होने लगी। उन्होंने किसी तरह से जेसीबी को किनारे लगाया और अपनी जान बचाने के लिए वह एक बड़े पत्थर के नीचे छिपे। इस दौरान भूस्खलन जोन के दोनों ओर फंसे तीर्थयात्री भी सहमे रहे, जबकि भूस्खलन बढ़ता देख आसपास के ग्रामीण लगातार तीर्थयात्रियों को भूस्खलन जोन से पीछे हटने के लिए आवाज देते रहे।

# होंठो के आकार से जानिए महिलाओं का व्यक्तित्व

**महविश की रिपोर्ट**
**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 11 सितंबर। एक प्यारी सी मुस्कान क्या नहीं करवा सकती। उदासी भरे चेहरे पर भी सिर्फ इन होंठों पर थोड़ी सी मुस्कान आ जाने से आपके चेहरे की रौनक वापस लौट आती है। लेकिन क्या आपको पता है कि आपके होंठ आपके व्यक्तित्व के बारे में भी बहुत कुछ बता सकते हैं। विशेषज्ञों ने भी अपने अध्ययनों में इस बात का खुलासा किया है कि आपके होंठों का आकार मनोवैज्ञानिक रहस्य और व्यक्तित्व को बता सकता है। फेस रीडिंग साइंस के मुताबिक, हमारे शरीर की बनावट, आकार हमारे व्यक्तित्व के बारे में जानकारी देती है। इस विशेष लेख में हम आपको बताएंगे की आपके होंठों का आकार आपके बारे में क्या कहता है। आम तौर पर तीन और चार तरह के होंठों की बातें हम करते हैं। तो आइये जानते हैं वो कौन कौन से हैं -

**भरे हुए होंठ**

ऊपर और नीचे दोनों तरफ समान रूप से एक जैसे आकार के होंठ, जिसे हम परफेक्ट लिप शेप भी कहते है। इस होंठ के आकार वाले लोग सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति होते हैं। जो रिश्तों को हर चीज से ऊपर रखते हैं। अगर महिलाओं के भरे होंठ होते है तो वह बहुत आत्मविश्वासी और साहसी होती हैं। आप दूसरों की परवाह करती हैं और ऐसा करने में आपको काफी खुशी मिलती है। आप आपने दोस्तों के साथ एक अलग तरह का रिश्ता बनाए रखने में विश्वास रखते हैं।

**नीचे का भरा होंठ**

इस होंठ के शेप में नीचे का होंठ ऊपर के होंठ के मुकाबले ज्यादा मोटा होता है। इस होंठ के आकार के लोग आमतौर पर खुशमिजाज किस्म के होते है। आप जीवन का आनंद लेना पसंद करते हैं और मजेदार जीवन शैली जीना चाहते है। आपमें नई नई चीजें सीखने और जानने की जिज्ञासा बनी रहती है। परिस्थितियों और लोगों को देखते हुए ही आप आपनी बात किसी के सामने रखते है।

**ऊपरी भरे होंठ**

इस होंठ के आकार में आपके ऊपर का होंठ नीचे के होंठ के मुकाबले बड़ा होता है। इस होंठ के आकार के लोग आपने बारे में काफी ऊंची राय रखते है। जैसे है वैसे ही लोगों के सामने जाना पसंद करते हैं आप आपने जीवन को पूरी तरह से जीना पसंद करते है। आप काफी जवाब हाजिर हैं। आप अपने विचारों को दूसरों के सामने रखने में काफी माहिर है।

**पतले होंठ**

ये होंठ आम होंठों के मुकाबले ज्यादा पतले होते है। इस आकार के होंठ वाले लोग अकेले रहना ज्यादा पसंद करते है। आपका अंतर्मुखी व्यक्तित्व आपको काफी आत्मनिर्भर भी बनाता है। आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए दृढ़ हैं। वास्तव में, आप अपनी अपेक्षाओं से अधिक हैं। तो आप भी आईने के सामने खड़ी होकर निहारिये अपने होंठ और अंदाज़ा लगाइये कि आपका व्यक्तित्व कितना मैच करता है।

# अगर देर से सोना है आपकी भी आदत, तो हो जाएं सावधान

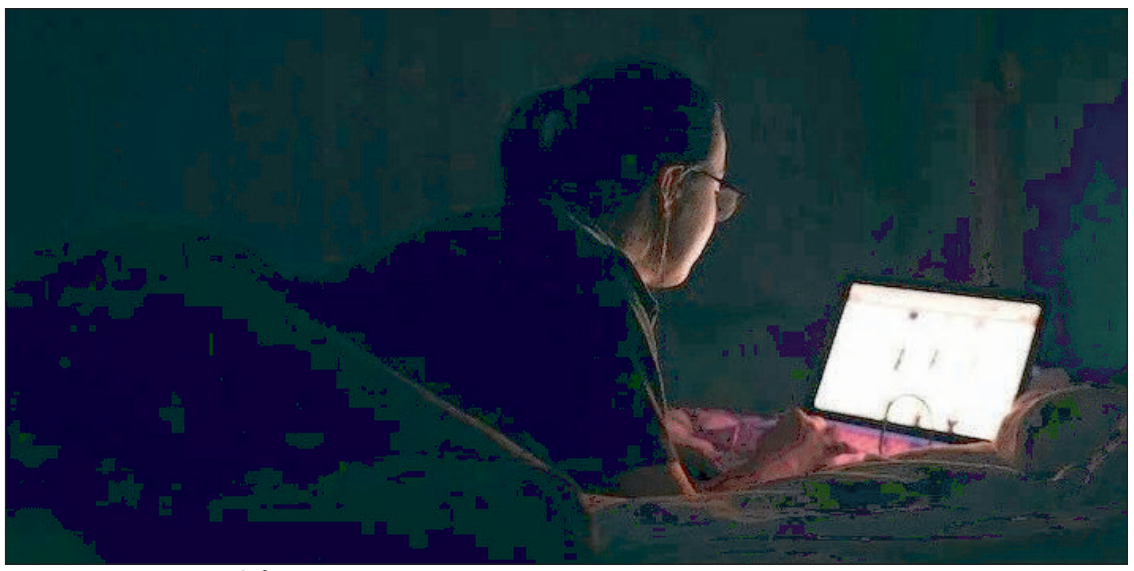

**महविश की रिपोर्ट**
**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 11 सितंबर। क्या आपको देर रात तक जागने की आदत है ? क्या आप आधी रात तक मोबाइल और टीवी में चिपके रहते हैं / क्या आपको पता है आपकी ये आदत कितनी खरतनाक साबित हो सकती है ? अगर नहीं मालूम तो चलिए हम आपको बताते हैं। ये तो सच है कि आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की लाइफस्टाइल में काफी बदलाव आ गया है. लोग भरपूर नींद भी नहीं ले पाते हैं. ऐसे में आपको बता दें कि अगर आप भी पूरी नींद नहीं लेते हैं तो आपको इन स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

**हाई ब्लड प्रेशर की समस्या**

स्लीप साइकिल बिगड़ने का असर मेटाबॉलिज्म पर भी देखने को मिलता है. शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया है कि देर रात तक जागने वाले व्यक्ति को ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है. ऐसे में पूरी नींद लेना काफी अहम है.

**वजन बढ़ना**

जाहिर सी बात है कि अगर आप देर से सोते हैं, तो उठने में भी देरी हो जाती होगी. ऐसे में स्लीप साइकिल के साथ-साथ आपका आहार चक्र भी पूरी तरह से बिगड़ जाता है. जिसके चलते आपका वजन भी बढ़ सकता है कि आपको मोटापे का सामना करना पड़ सकता है.

**ब्रेस्ट कैंसर की संभावना**

महिलाएं अगर देर रात तक जागती हैं तो उनमें ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती हैं. क्योंकि इस तरह आपकी लाइफस्टाइल में काफी बदलाव आ जाता है. ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप अपनी नींद पूरी करें.

**डिप्रेशन का खतरा**

रिसर्च में पाया गया है कि अगर आप भरपूर नींद नहीं लेते हैं तो आपको मूड डिसऑर्डर हो सकता है. ऐसे में व्यक्ति को बाद में क्लिनिकल डिप्रेशन का सामना करना पड़ सकता है. इस खतरे से बचना है तो अपनी स्लीप साइकिल का खासतौर से ध्यान दें. तो अगर आप इन समस्याओं से बच कर एक सेहतमंद ज़िंदगी बिताना चाहते हैं तो आज से ही देर से सोने की आदत बदल दें।

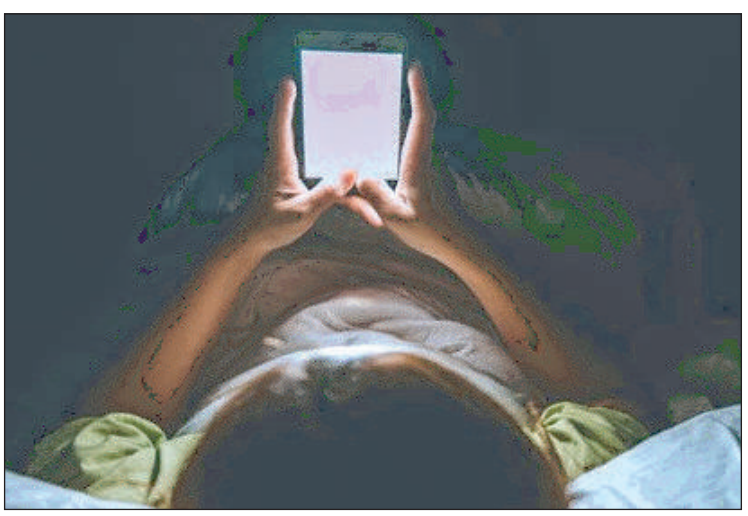

# आपकी नींद की आदतें आपके रोग के जोखिम को निर्धारित कर सकती हैं

फैटी लीवर रोग एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति के लीवर में अतिरिक्त चर्बी विकसित हो जाती है, इसलिए इसे हेपेटिक स्टीटोसिस भी कहा जाता है। आमतौर पर, जिन लोगों को यह बीमारी होती है, उनमें कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं और इसलिए उन्हें कोई गंभीर समस्या नहीं होती है, जिससे निदान में देरी होती है और संभावित लीवर खराब हो जाता है।

फैटी लीवर की बीमारी किसी को भी हो सकती है, जो शराब पीते हैं और जो नहीं करते हैं। शराब से प्रेरित फैटी लीवर रोग वह प्रकार है जिसमें लोग भारी शराब पीने के कारण इस स्थिति को विकसित करते हैं, जबकि जो लोग अधिक शराब नहीं पीते हैं उन्हें नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) हो सकता है। दोनों तरह से, यह जीवन के लिए खतरा हो सकता है और उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

अपने जोखिम कारकों के आधार पर, आपको अपने जोखिम को कम करने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जबकि मोटापा, अंतर्निहित स्वास्थ्य की स्थिति और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली की आदतें बीमारी के कुछ प्रमुख जोखिम कारक हैं, हाल के एक शोध से पता चलता है कि आपकी नींद की आदतें यह भी निर्धारित कर सकती हैं कि आप अधिक जोखिम में हैं या नहीं।

**अध्ययन से क्या चला पता**

जैसा कि ज्ञात है, फैटी लीवर रोग यकृत में वसा का अधिक निर्माण होता है, जो अक्सर खराब आहार विकल्पों और एक

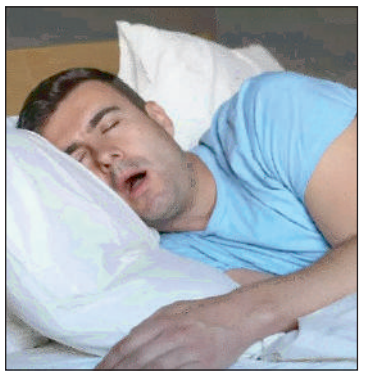

गतिहीन जीवन शैली का परिणाम होता है,सोने की आदतें जैसे झपकी लेना, खर्राटे लेना और ऊपर रहना देर से आना भी इस बीमारी के जोखिम को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।"रात में खराब नींद और लंबे समय तक दिन में झपकी लेने वाले लोगों में फैटी लीवर की बीमारी होने का खतरा सबसे अधिक होता है। हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद की गुणवत्ता में मामूली सुधार फैटी लीवर रोग के जोखिम में 29 प्रतिशत की कमी से संबंधित था।अपने जोखिम को कैसे कम करें?फैटी लीवर रोग के उपचार और रोकथाम के लिए आपका गाइड लगभग एक जैसा है। अपने जोखिम को कम करने का सबसे अच्छा तरीका वसा के अनुकूल खाद्य पदार्थों को खत्म करना है जो शरीर में आपके कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को बढ़ा सकते हैं। स्वस्थ वजन बनाए रखें और नियमित रूप से व्यायाम करें। शराब का सेवन सीमित करें और अपनी दवाएं समय पर लें।

# लंपी वायरस को लेकर जागरूक करने की जरुरत : ऋतू खंडूड़ी, स्पीकर

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

कोटद्वार 12 सितंबर। कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत पशुओं में लंपी वायरस के फैल रहे मामलों को देखते हुए उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने पशु चिकित्सकों के साथ बैठक कर जानकारी ली । विधानसभा अध्यक्ष ने पशु चिकित्सकों को लंपी वायरस की रोकथाम के लिए कोटद्वार क्षेत्र में पशुपालन विभाग द्वारा टीकाकरण अभियान तेजी से चलाने के निर्देश दिए।

यहाँ आपको बता दें की लंपी बीमारी ने कोटद्वार एवं भाबर में पैर पसार लिए हैं। 800 से ज्यादा पुशओं में रोग फैल चुका है। पशुपालन विभाग ने पशुओं को चिह्ति कर उपचार शुरू कर दिया है। काश्तकार पशुओं में तेजी से फैल रही लंपी बीमारी से परेशान हैं। पशुओं को तेज बुखार के साथ ही शरीर पर दाने आ रहे हैं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा पूछे जाने पर कोटद्वार के पशु चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. बीएम गुप्ता ने बताया कि कोटद्वार एवं भावर में सबसे ज्यादा पशु इसकी चपेट में हैं। पशुपालन विभाग की टीम युद्धस्तर पर टीकाकरण और उपचार में जुटी है। विभाग द्वारा पशुपालकों से बीमारी के लक्षण पाए जाने पर नजदीकी अस्पताल से संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। इसके साथ ही वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है ताकि यह बीमारी अन्य पशुओं में ना फैले। विधानसभा अध्यक्ष ने विभाग के अधिकारियों को और अधिक सतर्कता रखने की बात कही साथ ही सभी क्षेत्रों में लंपी वायरस को लेकर जागरूक करने के लिए भी कहा।

# मजेदार खबर : इलेक्ट्रिक स्कूटर का काटा प्रदूषण का चालान

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

इस खबर में ऐसा ही हुआ कि एक गूंगे व्यक्ति पर ज्यादा बोलने का आरोप लगा। आपको पूरा मामला बताए तो केरल ट्रैफिक पुलिस ने एक अजीबोगरीब घटना की बता दे एक इलेक्ट्रिक स्कूटर मालिक पर वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र नहीं होने पर जुर्माना लगाया है।ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी किए गए वाहनों और ई-चालान की तस्वीरें फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आई हैं। चालान की तस्वीर से पता चलता है कि यह 6 सितंबर (मंगलवार) को केरल के मलप्पुरम जिले के नीलांचेरी में जारी किया गया था। यूजर्स ने केंद्रीय परिवहन मंत्री

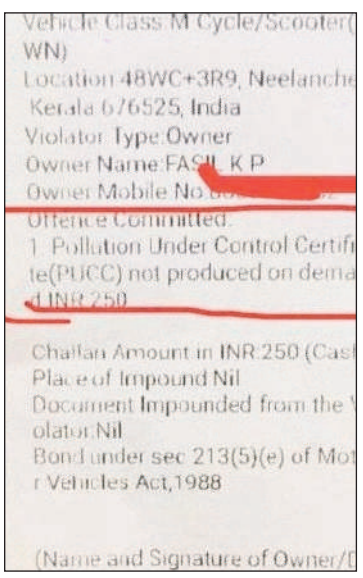

नितिन गडकरी से मामले को देखने की अपील की है। बता दे की ये एक इलेक्ट्रिक स्कूटर है जिसका नाम एथर 450X है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर में हम देख सकते हैं कि चालान की राशि ₹250 है। रसीद में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 213(5)(ई) का भी उल्लेख है। यह पहली बार नहीं है। कि ऐसा अजीब चालान पेश किया गया है।

जुलाई में, केरल में एक व्यक्ति को पर्याप्त ईंधन के बिना अपनी मोटरसाइकिल की सवारी करने के लिए जुर्माना लगाया गया था।तो ये थी आज की मज़ेदार खबर टीवी न्यूज़ वायरस आपके पास ऐसे और मज़ेदार खबर लाता रहेगा।

# भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत को नमन : मुख्यमंत्री

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 12 सितंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी के 135 वें जन्मदिन समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी एवं कुशल प्रशासक थे। उन्होंने देश को नई दिशा देने के साथ ही कुली बेगार प्रथा तथा जमींदारी उन्मूलन के लिए निर्णायक संघर्ष कर समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने में अहम भूमिका निभाई। देश की आजादी से पूर्व एवं देश की आजादी के बाद भी उन्होंने देश सेवा के लिए जो कार्य किये, वे सभी कार्य हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया। हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी का पहाड़ के प्रति विशेष लगाव था। जीवन में तमाम समस्याओं के बावजूद भी वे अपने कर्तव्य पथ से कभी पीछे नहीं हटे। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं भारत के गृह मंत्री के महत्वपूर्ण दायित्व उनके पास रहे। उन्होंने कहा कि देवभूमि

उत्तराखण्ड के ऐसे महान सपूत से प्रेरणा लेकर हमें आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड युवा राज्य है। 2025 में हम उत्तराखण्ड राज्य की स्थापना की रजत जयंती मनायेंगे। तब तक उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में हो, इसके लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। हमें विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि पं. गोविंद बल्लभ पंत जी ने देश की आजादी के लिए पूरा जीवन खपाया। उन्होंने पहाड़ के विकास एवं संस्कृति के संरक्षण का कार्य किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देवभमि के साथ वीरभूमि भी है। पं.गोविंद बल्लभ पंत जैसे क्रांतिकारी इसी देवभूमि में पैदा हुए। डॉ. निशंक ने कहा कि भारत रत्न पं.गोविंद बल्लभ पंत जी ने जो रास्ता दिखाया, उससे प्रेरणा लेकर हमें आगे बढ़ना होगा। वे देवभूमि उत्तराखण्ड के गौरव एवं सम्मान हैं। उन्होंने कहा आज देश ज्ञान-विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर विधायक खजान दास, मैती आन्दोलन के प्रणेता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, दीप्ति रावत भारद्वाज, राकेश डोभाल उपस्थित थे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस



# मम्मी ने किया धाकड़ कमाल आप कहेंगे बिमिसाल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 सितम्बर। एक कहानी ऐसी मम्मी की जिनकी हो रही है देश दुनिया में चर्चा ... हम बात कर रहे हैं भावना मैडम की जिन्होंने अपनी  कामयाबी पर कहा कि चार विश्व रिकॉर्ड तोड़ना एक शानदार अहसास है। मुझे खुशी है कि मेरे समर्पण ने मुझे इतने अच्छे रिजल्ट दिए। भावना का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा में हुआ था। उनके पति श्रीपद टोकेकर भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन हैं और ग्वालियर के रहने वाले हैं। अभी दिल्ली में पोस्टेड हैं।

मध्य प्रदेश की 50 वर्षीय भावना टोकेकर के लिए उम्र महज एक नंबर है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस उम्र में भी दो बच्चों की मां भावना ने वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग में चार नए विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में विश्व पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप (मास्टर्स) में गुरुवार को उन्होंने चार नए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर सभी को चौंका दिया। भावना का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा में हुआ था। उनके पति, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन श्रीपद टोकेकर ग्वालियर के रहने वाले हैं।

**भावना ने बनाए ये रिकॉर्ड**

भावना टोकेकर ने 50-54 एज ग्रुप प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने स्क्वाट में 102.5 किग्रा के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड 90 किग्रा था। बेंच प्रेस्ड में 80 किलोग्राम का वजन उठाया, पिछला रिकॉर्ड 40 किग्रा था। फिर 132.5 किग्रा (पिछला रिकॉर्ड 105 किग्रा) का डेडलिफ्ट पूरा किया। उनका कुल 315 किग्रा भार उठाना भी एक विश्व रिकॉर्ड है।

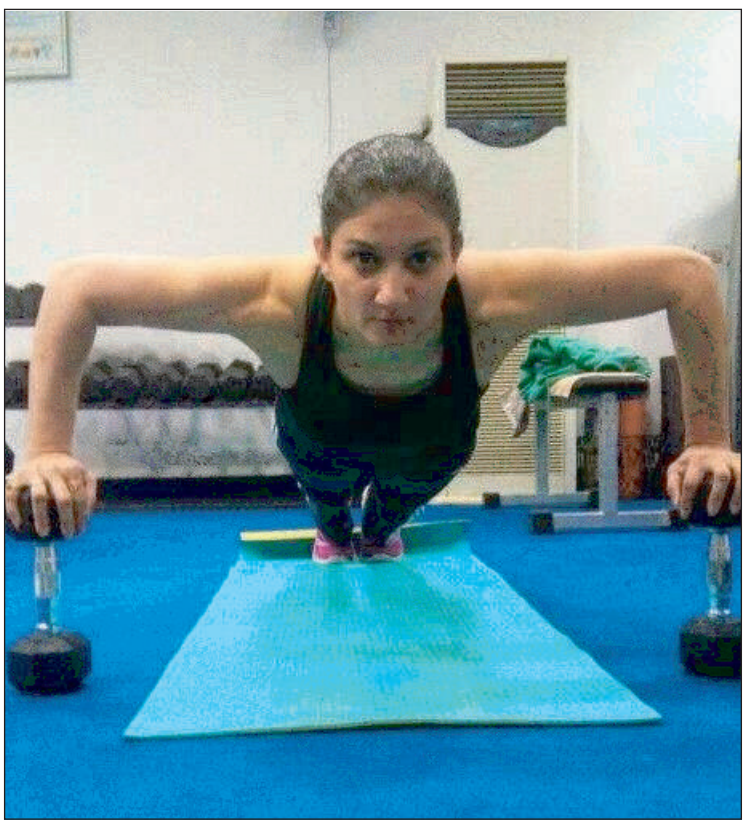



**कैसे मिली भावना को कामयाबी, खुद बताया**

भावना ने इससे पहले 2019 में रूस के चेल्याबिंस्क में AWPC/WPC की एशियाई पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते। अब तीन साल बाद, उनके नाम चार विश्व रिकॉर्ड हैं। अपने पॉवरलिफ्टिंग करियर की शुरुआत के बारे में बात करते हुए, भावना ने बताया कि मैंने वाटर रिटेंशन और मूड चेंज के लिए जिम जाना शुरू किया। ऐसा इसलिए क्योंकि 40 साल की उम्र में मेरी स्किन में दवा के साइड इफेक्ट की वजह से सूजन आ गई थी। हालांकि, पावरलिफ्टिंग से बॉडी स्ट्रेंग्थ बढ़ने से होने वाले फायदों के बारे में जानने के बाद मैंने इसमें गहरी दिलचस्पी लेनी शुरू कर दी।

# हायरिंग अलर्ट, मिंत्रा ने निकाली 16,000 से अधिक नौकरियां

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

फैशन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, मिंत्रा इस त्योहारी सीजन में डिलीवरी, वेयरहाउस हैंडलिंग और लॉजिस्टिक्स में विभिन्न पदों के लिए 16,000 से अधिक नौकरियों की पेशकश करेगा। पिछले साल इसी अवधि के दौरान संगठन ने लगभग 11,000 रोजगार के अवसर प्रदान किए थे। मिंत्रा के मुख्य मानव संसाधन नूपुर नागपाल ने कहा “इन 16,000 नौकरियों में से 10,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर होंगे, जबकि 6,000 अप्रत्यक्ष होंगे।,₹यह किसी भी त्योहारी सीजन में अब तक की हमारी सबसे बड़ी भर्ती मानी जाती है।

वर्तमान नए बैच के लगभग आधे आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कर्मचारी काम करना जारी रखेंगे और संपर्क केंद्र के कर्मचारी अनुबंध की अवधि तक रहेंगे। मिंत्रा इस साल जिन पदों के लिए भर्ती कर रही है, उनमें सॉर्टिंग, पैकिंग, पिकिंग, लोडिंग, अनलोडिंग, डिलीवरी, रिटर्न इंस्पेक्शन के साथ-साथ कार्गो फ्लीट मैनेजमेंट शामिल हैं।इससे पहले इस साल जून में, हायरिंग अलर्ट - मिंत्रा ने निकाली 16,000 से अधिक नौकरियां  ने 11 से 16 जून तक आयोजित अपने प्रमुख द्वि-वार्षिक ₹एंड ऑफ रीजन सेलर₹ के पहले दिन 50 लाख आइटम बेचे। रिटेलर ने पहले 24 घंटों के भीतर 2.6 मिलियन आइटम शिप किए। घटना। ऑनलाइन खुदरा विक्रेता ने नियमित दिनों की तुलना में घटना के दौरान यातायात में 70% की वृद्धि की सूचना दी।

फैशन प्लेटफॉर्म ने इस साल जून में ईओआरएस बिक्री अवधि से पहले 27,500 तीसरे पक्ष के रोजगार के अवसर भी पैदा किए थे। फ्लिपकार्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी ने अपने नए कॉर्पोरेट मुख्यालय के लिए बेंगलुरु के आउटर रिंग रोड में प्रबंधित कार्यक्षेत्र प्रदाता इंडिक्यूब से 300,000 वर्ग




फुट लीज पर लिया था।नए कार्यालय में 2,600 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इसके पहले के कार्यालय से दो गुना अधिक है। यह कर्मचारियों को कार्यालय से काम करने के लचीलेपन की अनुमति देता है, साथ ही साथ व्यक्तिगत सहयोग को सक्षम बनाता है क्योंकि फैशन ई-टेलर काम के एक हाइब्रिड मॉडल में प्रवेश करता है। यह पहले से ही होसुर रोड के कुडलू गेट पर अपने 130,000 वर्ग फुट कार्यालय से नए परिसर में स्थानांतरित हो चुका है, जहां इसने लगभग 12 साल बिताए।

# उत्तराखंड के कई जिलों में बढ़े दूध के दाम, जाने पूरी खबर

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 12 सितंबर। उत्तराखंड सरकार ने चार जिलों के दूध उत्पादकों के लिए दूध के दाम में 2 रुपये की बढ़ोतरी की है. दुग्ध विकास विभाग ने इस संबंध में सहकारी समितियों को आदेश जारी कर दिए हैं। बढ़ी हुई दरें एक सितंबर से प्रभावी मानी जाएंगी।सरकार ने नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा और बागेश्वर जिलों के दुग्ध उत्पादकों के लिए दूध के दाम में 2 रुपये की बढ़ोतरी की है. नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में दूध की कीमत 39 रुपये से बढ़ाकर 41 रुपये कर दी गई है, जबकि बागेश्वर और अल्मोड़ा जिलों में इसे 37 रुपये से बढ़ाकर 39 रुपये कर दिया गया है.डेयरी विकास विभाग के संयुक्त निदेशक जयदीप अरोड़ा ने कहा कि जल्द ही गढ़वाल संभाग के जिलों के उत्पादकों के लिए भी कीमतों में वृद्धि की जाएगी. बता दें कि उत्तराखंड में करीब साढ़े आठ लाख किसान परिवार दूध के कारोबार से जुड़े हैं। प्रतिदिन 49 लाख लीटर दूध का उत्पादन होता है, जिसमें से 25 लाख लीटर दूध अधिशेष है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 1.90 लाख लीटर दूध एकत्र किया जाता है

# स्पीकर खंडूडी ने कोटद्वार में जनता मिलन में सुनी फरियाद, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 12 सितंबर , उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कोटद्वार क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभिन्न जगहों पर अयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याओं को सुना साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 27 में खुनीबड़, वार्ड नंबर 21 में पदमपुर एवं वार्ड नंबर 22 सिंभलचौड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पहुंच कर विधानसभा अध्यक्ष ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने सभी की समस्याओं के तत्काल निदान के लिए लोगों को आश्वस्त किया। इस मौके पर क्षेत्र वासियों के द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में बिजली, पानी, सड़क आदि की समस्याओं से विधानसभा अध्यक्ष को अवगत किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचते ही विधानसभा अध्यक्ष ने उपस्थित बुजुर्गों का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।वहीं क्षेत्र वासियों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के लिए कई जन उपयोगी योजनाएं संचालित हो रही है एवं जिसका लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ लोगों की सेवा करना ही उनकी पहली प्राथमिकता है विधानसभा क्षेत्र की सभी जर्जर एवं कच्ची सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है।क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी गांव एवं क्षेत्र विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में सड़क निर्माण से लेकर पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति एवं सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाओं को जुटाने का वह भरसक प्रयास करेंगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विकास एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है जो कार्य क्षेत्र में अभी अधूरे हैं उन्हें शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को भी सुना। उन्होंने कहा कि जब आप मुझे अपनी समस्याओं से अवगत कराएंगे तभी मैं उन समस्याओं का तत्काल निराकरण कर पाऊँगी। उन्होंने कहा कि जातिवाद ,क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर पूरे क्षेत्र का समग्र विकास होना आवश्यक है।

इस अवसर पर हरीश बड़थ्वाल, मुकेश नवानी, अमित भारद्वाज, अनीता उपाध्याय, बबीता, सचिन नेगी, आशा देवी, मनोरमा देवी, ध्यान सिंह बिष्ट, प्रेम सिंह नेगी, मदन सिंह रावत, उदय सिंह रावत, सदर सिंह रावत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सनातन धर्म के ध्वजवाहक पूज्य शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के देहावसान पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का निधन संत समाज के साथ ही पूरे राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

# जाने क्यों चल रहा है #ArrestJubinNautiyal जुबिन नौटियाल के जुबानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको पहले बता दे जुबिन नौटियाल एक भारतीय गायक, संगीत निर्देशक और गीत लेखक हैं। उन्हें फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के गाने 'जिंदगी कुछ तो बता' से नई पहचान मिली। उन्होंने फिल्म "सोनाली केबल" का गाना "एक मुलाकात" भी गाया था । वर्तमान समय में उनके द्वारा गाया गया गाना "बेवफा तेरा मासूम चेहरा" बहुत हिट हो गया है।

दरअसल, 9 सितंबर शाम से ही ट्विटर से लेकर फेसबुक पर जुबिन नौटियाल के खिलाफ एक के बाद एक पोस्ट होने लगे। कुछ देर बाद #ArrestJubinNautiyal हैशटैग पर हजारों ट्वीट और रीट्वीट होने लगे। खोजने पर मालूम चला कि ये बवाल अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में होने जा रहे जुबिन के एक शो को लेकर है. इस शो का ऑर्गनाइजर जय सिंह नाम का एक शख्स है, जो खालिस्तान सपोर्टर है और चंडीगढ़ पुलिस उसे लगभग 30 साल से ढूंढ रही है.

अमेरिका में इस शो को आमंत्रित करने वाला जय सिंह चंडीगढ़ पुलिस का एक मोस्ट वांटेड क्रिमिनल है. बताया जा रहा है कि जय सिंह नाम का ये शख्स खालिस्तान को तो सपोर्ट करता ही है, साथ ही उसका नाम आतंकवादी संगठन आईएसआई से भी जुड़ा हुआ है.

जुबिन नौटियाल के मुताबिक, उनके पास कुछ जानकारी है, उसके आधार पर वो इतना ही कह सकते हैं कि यह इंडस्ट्री के 2 प्रमोटरों के बीच का मामला हो सकता है. जुबिन नौटियाल ने कहा कि वो जब भी किसी शो के लिए कहीं भी जाते हैं तो पहले उस शो के बारे में पूरी जांच पड़ताल कर लेते हैं.

जुबिन नौटियाल ने कहा कि जय सिंह नाम के एक ऐसे व्यक्ति के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है, जिसे वह जानते भी नहीं है. ऐसे में उन्हें बहुत दुःख हो रहा है. और कहा कि उनके लिए देश सबसे पहले बाकि सब बाद में.

जुबिन नौटियाल का कहना है कि उनके फैंस उन्हें अच्छी तरह जानते हैं. सोशल मीडिया पर चलाए गए #ArrestJubin-Nautiyal प्रोपेगेंडा से वे बेहद आहत हैं. इस बारे में कई लोगों को उनके पास फोन भी आया है. जिन लोगों ने इंडस्ट्री में मेरा साथ दिया है और जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वह भी जानते हैं कि यह और कुछ नहीं गाने हिट होने के बाद अक्सर कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो किसी भी कलाकार को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, जुबिन का कहना है कि वह अपने काम पर फोकस कर रहे हैं और कुछ नहीं, जरूरत पड़ने पर जवाब भी देंगे.

# बागानों को टी पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है : गणेश जोशी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चम्पावत, 11 सितंबर। जनपद चम्पावत के भ्रमण पर पहुँचे प्रदेश के कृषि उद्यान, ग्राम्य विकास एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सिलिंग टॉक स्थित चाय बागान का निरीक्षण किया। टी पर्यटन के रूप में विकसित किए जा रहे इस क्षेत्र में संचालित चाय बागान पौधारोपण तथा पर्यटन विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते कृषि, उद्यान मंत्री ने कहा कि जनपद चम्पावत एक मॉडल जिले के रूप में आगे बढ़ रहा है यहाँ कृषि औद्यानिकी के साथ ही चाय के बागान विकसित करने हेतु विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चम्पावत में चाय बागान हेतु विभिन्न विकास कार्य किये जा रहे हैं। चाय के क्षेत्रफल को बढ़ाए जाने हेतु जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चाय के बागान विकास किए जाने हेतु कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि चाय बागानों में अनेक पर्यटक घूमने आते हैं अन्य प्रदेशों की तरह यहाँ के चाय बागानों में भी पर्यटक आए, इस हेतु इन बागानों को टी पर्यटन के रूप में भी विकसित किया जा रहा है उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित निदेशक उद्यान को इस क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए इस दौरान चाय विकास बोर्ड के प्रबंधक डेजमंड ने अवगत कहा कि जनपद चम्पावत में वर्तमान में कुल 27 क्षेत्रों में 236 हेक्टेयर भूमि में 7 लाख 32 हजार चाय के पौध लगाए गए हैं गत वर्ष इन सभी 27 चाय बागानों में 51105 किलो चाय की हरी पत्ती का उत्पादन हुआ, जिससे 11675 किलो चाय तैयार की गयी। इस कार्य में गत वर्ष 47611 मानव दिवस सृजित हुए उन्होंने अवगत कराया कि इस वर्ष और अधिक चाय के उत्पादन की सम्भावना हैं। इस दौरान जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया कि सिलिंग टॉक में टी पर्यटन के रूप में विकसित करने हेतु 4 क्यू पाइंट 4 काटेज व एक कैन्टीन के साथ ही सौचालय निर्माण व पर्यटन की सुविधाएँ निर्मित की गई है। निरीक्षण के दौरान निदेशक उद्यान हरमिंदर सिंह बवेजा, मुख्य विकास अधिकारी आर एस रावत,संयुक्त निदेशक उद्यान कुमाऊं डॉ बृजेश गुप्ता, गढ़वाल डॉ रतन कुमार, जिला उद्यान अधिकारी टीएन पांडेय आदि उपस्थित रहे।

# WhatsApp Banking : जानिए क्या मिलती हैं सुविधाएं

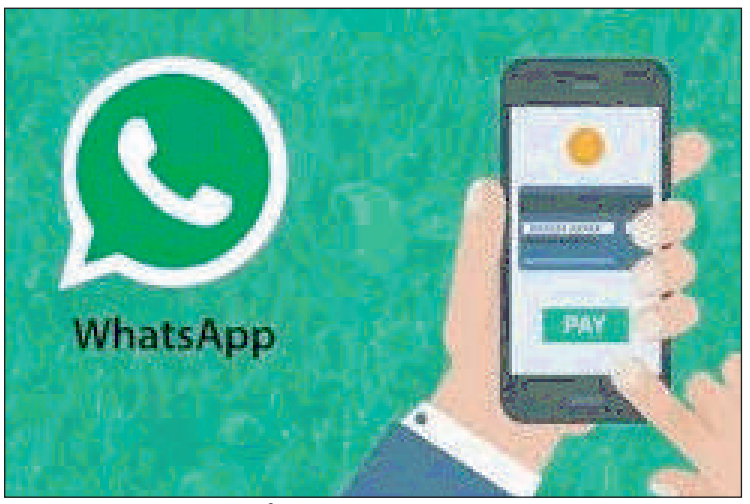


**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 सितम्बर , निजी कर्जदाता आईसीआईसी बैंक के कस्टमर व्हाट्सएप बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करके कई वित्तीय ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। बैंक अपने ग्राहकों को व्हाट्सऐप के माध्यम से बचत खाते के बैलेंस की जानकारी, पिछले तीन लेनदेन, क्रेडिट कार्ड की सीमा, तत्काल लोन अप्रूव का डिटेल ले सकते हैं। इसके साथ ही कस्टमर क्रेडिट और डेबिट कार्ड को ब्लॉक और अनब्लॉक कर कर सकता है।

ICICI बैंक ने इसके साथ ही कई नए व्हाट्सएप बैंकिंग फीचर भी जोड़े हैं जैसे कि कुछ ही मिनटों में तत्काल बचत खाता खोलना, लोन का विकल्प आदि। कस्टमर बैंक की शाखा जाए बिना ही घर बैठे व्हाट्सऐप की मदद से कई काम कर सकते हैं। इसके साथ ही कस्टमर बैंक एफडी खाता खोलने और बिल का भुगतान भी व्हाट्सऐप की मदद से कर सकते हैं।

**ICICI बैंक के ग्राहक व्हाट्सऐप बैंकिंग सेवाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं -**

बैंक के ग्राहक 8640086400 नंबर सेव कर सकते हैं।इसके बाद व्हाट्ऐप खोलें और बैंक में रजिस्टर्ड नंबर के जरिए इस नंबर पर 'Hi' लिखें।बैंक अपने आप से उपलब्ध सेवाओं की सूची आपके सामने रखेगा।सेवाओं की लिस्ट से आवश्यक सेवा का कीवर्ड टाइप करें और उसपर क्लिक करके उपयोग कर सकते हैं।

ICICI बैंक में कैसे खोलें FD खाता -

व्हाट्सऐप सर्विस की लिस्ट में सबसे पहले FD विकल्प का चयन करें और FD राशि 10,000 रुपए से 1 करोड़ रुपए के बीच का चयन करें और एफडी योजना के समय सीमा का भी चुनाव करें। आप अवधि का चयन दिए गए अलग-अलग मैच्योरिटी और ब्याज के हिसाब से कर सकते हैं। इसी तरह से आप बैंक बैलेंस की जांच और बिल का भुगतान जैसी सुविधाओं का भी उपयोग कर सकते हैं।

# पंतनगर में जीबी पंत की जयंती पर मंत्री जोशी ने दी जीबी पंत को श्रद्धांजली

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

पंतनगर, 12 सितंबर। पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शिरकत की। इस अवसर पर गणेश जोशी ने भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की ओर भावपूर्ण स्मरण किया। मंत्री जोशी ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पं. गोविन्द बल्लभ पंत का संघर्षशील एवं प्रेरणादायी नेतृत्व देशवासियों के लिये सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

वहीं इसके उपरांत मंत्री जोशी ने कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि महाविद्यालय के ₹वैलनेस एवं मेडिटेशन सेन्टर ₹का निरीक्षण किया और स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमा का भी अनावरण किया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाने वाला यह पंतनगर विश्वविद्यालय पंडित गोविन्द बल्लभ जी को समर्पित है। पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना में उन्होंने अमूल्य योगदान दिया है। अपने 6 दशकों के अस्तित्व में विश्वविद्यालय ने कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में ऐतिहासिक फसल किस्मों और व्यापक शोध के माध्यम से प्रदेश एवं देश को खाद्य सम्प्रभुता व खाद्य सुरक्षा की ओर अग्रसर किया है। पंतनगर में पहली बार कृषि संग्रहालय बनाया गया है, पंतनगर संग्रहालय छात्रों एवं देश के नागरिकों के लिए प्रेरणा बिंदु का कार्य करेगा। इस सत्र में

पंतनगर के वैज्ञानिकों द्वारा उन्नत किस्म की विभिन्न प्रजातियां विकसित की गई हैं। इसके लिए मंत्री जोशी ने एग्रीकल्चर फील्ड पर काम करने वाले वैज्ञानिकों, कर्मचारियों सभी को बधाई और आभार व्यक्त किया।

विश्व बैंक की टीम ने पंतनगर विश्वविद्यालय में संचालित आई0डी0पी0 नाहेप परियोजना के द्वारा. विकसित समस्त इकाइयों एवं सुविधाओं का बारीकी से अध्ययन किया जो बहुत गर्व का विषय है। मंत्री जोशी ने कहा कि नाहेप परियोजना की तरफ से विभिन्न कॉलेजों के 20 स्नातक विद्यार्थियों को इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एक माह की लिए अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), फिलीपींस जाने का मौका मिला है यह अवसर हमारे राज्य के विद्यार्थियों को मिला है जो बहुत ही गर्व एवं संतोष का विषय है। पंतनगर विश्वविद्यालय उत्तराखंड का गौरव है।

मंत्री जोशी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों की ग्लोबल रैंकिंग में सबसे अग्रणी एवं प्रतिष्ठित वर्ल्ड क्यू एस रैंकिंग में पंतनगर विश्वविद्यालय का नाम दुनिया के शीर्ष संस्थानों में घोषित हुआ है। कृषि विश्वविद्यालय समूह में पहली बार देश के एकमात्र कृषि संस्थान के रूप में गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने 361वें स्थान पर आने का गौरव प्राप्त किया है। यह उपलब्धि पंतनगर के शिक्षकों, छात्रों और कर्मियों के अथक प्रयासों का परिणाम है। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।मंत्री जोशी ने विश्वास जताते हुए कहा कि अपने निरंतर योगदान से उत्तराखंड राज्य पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी के सपनों के अनुरूप प्रगति करता रहेगा। मंत्री जोशी ने आह्वान किया कि सभी पूरी ऊर्जा के साथ इस विश्वविद्यालय को और नयी ऊंचाइयों तक ले कर जायेंगे और देश का गौरव को बढ़ाते रहेंगे।इस अवसर पर कुलपति डॉ.मनमोहन सिंह चौहान, विधायक डॉ.मोहन सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.बृजेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक सक्सेना, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता निदेशक, यूनिवर्सिटी कुलपति ए.के. शुक्ला सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## हिंदू विरोध जोड़ेगा भारत?

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा का मकसद कुछ भी हो सकता है। वह समकालीन, समस्यापरक, सामुदायिक, सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर आधारित हो सकती है। कांग्रेस के आलाकमानी नेता राहुल गांधी ने किसानों, मजदूरों, छात्रों-युवाओं, महिलाओं आदि से मिल कर संवाद किए हैं। उन्हें कांग्रेस के संकल्पों से जोडने की कोशिश की है। यात्रा पर राजनीति करना स्वाभाविक है। उस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, लेकिन राहुल गांधी ने एक विवादास्पद, सजायाफ्ता और जेल जा चुके पादरी से मुलाकात की और भगवान, धर्म पर उसकी व्याख्या सुनी, तो आपत्ति उन व्याख्याओं पर है। पादरी जॉर्ज पोनैया अपनी आध्यात्मिक आस्था के आधार पर ईसा मसीह को 'एकमात्र भगवान' मान सकते हैं, लेकिन भारतीय और सनातन संस्कृति और प्राचीनतम आस्थाओं को खंडित नहीं कर सकते। संविधान के मुताबिक, वह अपराध है। हमारी संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्मिकता सबसे प्राचीन और मानवीय है। हमारी संस्कृति में जो अवतार हैं, वे साक्षात ब्रह्म हैं। बेशक मानव-रूप में मानवोचित लीलाएं करना स्वाभाविक हैं। भारतीय और हिंदू संस्कृति और सभ्यता ही एकमात्र ऐसी है, जहां ईश्वरीय सत्ता में 'स्त्री' भी मौजूद है। वह 'शक्ति' और 'भगवती' का प्रतीक है। बल्कि 'स्त्री' को पहला स्थान दिया गया है। मसलन-सियाराम, राधेश्याम, लक्ष्मीनारायण और माता-पिता आदि। राहुल गांधी भी चुनावों के दौरान 'हिंदू' या खासकर 'शिव-भक्त' का स्वांग रचते रहे हैं। कमोबेश उन्हें हिंदू संस्कृति में देवी-देवताओं, शक्ति या भगवान के अस्तित्व और उनके चमत्कारों की कुछ तो जानकारी होगी! शेष अन्य संस्कृतियों और सभ्यताओं में भगवान की कल्पना सिर्फ 'पुरुष' में ही की गई है। सवाल यह है कि कांग्रेस का मकसद कुछ और होता है तथा कांग्रेसी भटकते हुए किसी विवादित दर पर पहुंच जाते हैं। फिर जो भी आध्यात्मिक व्याख्या उनके सामने की जाती है, उस पर वे जिज्ञासु की तरह पूछते हैं-'क्या ऐसा ही होता है? क्या यही सही है?' कैथोलिक पादरी ईसा मसीह को ही 'असली भगवान' मानें, लेकिन वह हिंदू-विरोधी और अपमानजनक टिप्पणियां कैसे कर सकते हैं? और राहुल गांधी तथा सभी संबद्ध कांग्रेसी ऐसी टिप्पणियां बर्दाश्त कैसे कर सकते हैं? क्या ऐसी ही टिप्पणियों के सहारे भारत एकजुट होकर जुड़ेगा? क्या कांग्रेस की यात्रा काा मंतव्य यही है? ऐसी हिंदू-विरोधी व्याख्याओं से कांग्रेस को राजनीतिक हासिल क्या होगा? राम, कृष्ण, शिव, विष्णु, ब्रह्मा, गणेश, पार्वती, काली माता आदि दैवीय भगवान अरबों हिंदू और सनातन आस्थावानों के 'आराध्य' हैं। उनकी आस्था और विश्वास को कैसे तोड़ा जा सकता है? और एक पादरी उसे मिथ्या तथा बेबुनियादी करार कैसे दे सकता है? ऐसी विद्वत्ता और ज्ञान पादरी ने कहां से हासिल किया? उसने तो देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और द्रमुक नेता के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया था। उसे अपराधी माना गया, लिहाजा पादरी को जेल में भेजा गया।

# श्रीलंका ने छठी बार एशिया कप जीता फाइनल में पाक को 23 रन से हराया

एजेंसी

दुबई, 12 सितंबर। श्रीलंका की टीम छठी बार एशिया कप चैंपियन बन गई है। फाइनल में श्रीलंकाई टीम ने पाकिस्तान को 23 रन से हरा दिया। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 170 रन बनाए। भानुका राजपक्षा ने 71 रन की नाबाद पारी खेली।

जवाब में पाकिस्तान की टीम को 20 ओवर में 147 रन पर ऑलआउट कर दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान ने 49 गेंदों में 55 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से प्रमोद मदुशन और वानिंदु हसरंगा जीत के हीरो रहे। मदुशन ने तीन और हसरंगा ने एक ही ओवर में तीन विकेट लिए।

श्रीलंका ने सबसे पहले 1986 में एशिया कप का खिताब जीता था। इसके बाद 1997, 2004, 2008, 2014 और अब 2022 में टीम ने टाइटल अपने नाम किया है। भारत ने सबसे ज्यादा सात बार यह खिताब जीता है। श्रीलंका अब उससे बस एक खिताब दूर है। यह अप्रैल 2014 के बाद पहली बार है जब श्रीलंका ने लगातार पांच टी-20 जीते हैं। इससे पहले टीम ने बांग्लादेश में 2014 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार पांच टी-20 मैच जीते थे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 170 रन बनाए। भानुका राजपक्षा ने तूफानी पारी खेली। श्रीलंका ने एक वक्त 58 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। पाथुम निसांका (8), कुसल मेंडिस (0), धनंजय डी सिल्वा (28), दानुष्का गुणातिलाका (1), दासुन शनाका (2) जल्दी आउट हो गए।

इसके बाद राजपक्षा ने हसरंगा के साथ छठे विकेट के लिए 36 गेंदों पर 58 रन की साझेदारी निभाई। हसरंगा ने 21 गेंदों पर 36 रन की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। वह हारिस रऊफ की गेंद पर कैच आउट हुए।

राजपक्षा ने 35 गेंदों में टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने सातवें विकेट के लिए चमिका करुणारत्ने के साथ 31 गेंदों पर 54 रन की नाबाद साझेदारी निभाई। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार किसी टीम की ओर से छठे और सातवें विकेट के लिए 50+ रन की पार्टनरशिप हुई है।

राजपक्षा ने 71 रन की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 157.78 का रहा। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं, नसीम शाह, शादाब खान और इफ्तिखार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। चौथे ओवर में टीम को दो झटके लगे। प्रमोद मदुशन ने अपने पहले ही ओवर में कप्तान बाबर आजम (5) और अगली गेंद पर फखर जमान (0) को पवेलियन भेजा। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार अहमद ने तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी निभाई। इफ्तिखार अहमद को मदुशन ने अपना तीसरा शिकार बनाया। वह 31 गेंदों में 32 रन बना सके। इसके बाद मोहम्मद नवाज भी कुछ खास नहीं कर सके।

नवाज नौ गेंदों में छह रन बना सके। उन्हें चमिका करुणारत्ने ने आउट किया। इस बीच रिजवान ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 16वां अर्धशतक लगाया। इसके बाद 17वां ओवर हसरंगा डालने आए और उन्होंने मैच को पूरी तरह श्रीलंका के पक्ष में घूमा दिया। 17वें ओवर की पहली गेंद पर हसरंगा ने रिजवान को गुणातिलाका के हाथों कैच कराया। इसके बाद तीसरी गेंद पर आसिफ अली को क्लीन बोल्ड किया। पांचवीं गेंद पर हसरंगा ने खुशदिल शाह को तीक्ष्णा के हाथों कैच कराया। इसके बाद पाकिस्तान की टीम वापसी नहीं कर सकी।

आखिर में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने शादाब खान (8), हारिस रऊफ और नसीम शाह को पवेलियन भेज पाकिस्तान की पारी को 147 रन पर समेट दिया। श्रीलंका की ओर से मदुशन ने चार और हसरंगा ने तीन विकेट झटके। वहीं, करुणारत्ने को दो विकेट मिले। तीक्ष्णा ने एक विकेट लिया।

# मुंबई में एक और जीएसटी रैकेट का भंडाफोड़ 132 करोड़ रुपये के फर्जी बिल मिले

एजेंसी

मुंबई, 12 सितंबर। शसीजीएसटी की मुंबई स्थित भिवंडी आयुक्त की टीम ने एक नकली चालान रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह छापेमारी 132 करोड़ रुपये के फर्जी चालान के आधार पर 23 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने का मामले में की गई है। रैकेट के मास्टरमाइंड हसमुख पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है, उसे 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

इससे पहले भी अगस्त में सीजीएसटी भिवंडी आयुक्तालय ने इनपुट टैक्स क्रेडिट पाने के लिए फर्जी बिलों के आधार पर दावा करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया था। सीजीएसटी भिवंडी के आयुक्त सुमित कुमार के मुताबिक, यह गिरोह नकली जीएसटी चालान के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने में जुटा था। इस गिरोह से जुड़ी एक फर्म ने 14.30 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों के माध्यम से 2.57 करोड़ रुपये के आईटीसी का लाभ उठाया था। मामला पकड़ में आते ही फर्म के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं, एक अन्य मामले में सूडान के छह नागरिकों को मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर 12 किलोग्राम सोने की तस्करी करने का प्रयास करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। सोने की कीमत करीब 5.4 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। कोर्ट ने मामले में छह सूडानी नागरिकों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

# शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती नहीं रहे, नरसिंहपुर में ली अंतिम सांस

एजेंसी

नई दिल्ली, 11 सितंबर। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का निधन हो गया है। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर के झोतेश्वर मंदिर में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 98 साल पूरे कर चुके थे और उन्होंने 99वें साल में प्रवेश किया था वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। हाल ही में 3 सितंबर को उन्होंने अपना 99वां जन्मदिन मनाया था। वह द्वारका की शारदा पीठ और ज्योर्तिमठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य थे।

शंकराचार्य ने राम मंदिर निर्माण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। आजादी के आंदोलन में भी भाग लिया। स्वरूपानंद सरस्वती को हिंदुओं का सबसे बड़ा धर्मगुरु माना जाता था। अंतिम समय में शंकराचार्य के अनुयायी और शिष्य उनके समीप थे। उनके बृह्मलीन होने की सूचना के बाद आसपास के क्षेत्रों से भक्तों की भीड़ आश्रम की ओर पहुंचने लगी।

## सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सनातन धर्म के ध्वजवाहक पूज्य शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के देहावसान पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का निधन संत समाज के साथ ही पूरे राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का जन्म मध्यप्रदेश राज्य के सिवनी जिले के दिघोरी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता ने इनका नाम पोथीराम उपाध्याय रखा था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने घर छोड़ धर्म की यात्रा शुरू कर दी थी।

इस दौरान वो उत्तरप्रदेश के काशी भी पहुंचे और यहां उन्होंने ब्रह्मलीन श्री स्वामी करपात्री महाराज वेद-वेदांग, शास्त्रों की शिक्षा ली। आपको जानकर हैरानी होगी कि साल 1942 के इस दौर में वो महज 19 साल की उम्र में क्रांतिकारी साधु के रुप में प्रसिद्ध हुए थे। क्योंकि उस समय देश में अंग्रेजों से आजादी की लड़ाई चल रही थी।

स्वामी स्वरूपानंद ने ली दंड दीक्षा

स्वामी स्वरूपानंद ने साल 1950 में वे दंडी संन्यासी बनाये गए और 1981 में शंकराचार्य की उपाधि मिली। साल 1950 में ज्योतिषपीठ के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती से दण्ड-सन्यास की दीक्षा ली और स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती नाम से जाने जाने लगे।

# वोट के लिए जनता को बेवकूफ नहीं बनाएंगे, 370 कोई भी पार्टी वापस नहीं दिला सकती : गुलाब नबी

एजेंसी

श्रीनगर, 12 सितंबर। कांग्रेस से अलग हुए गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि वह अनुच्छेद 370 पर लोगों को गुमराह नहीं करेंगे। क्योंकि यह सच्चाई है कि संसद में दो तिहाई बहुमत वाली सरकार ही इसे बहाल कर सकती है। उन्होंने कहा - आजाद जानता है कि क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। मैं, कांग्रेस या तीन क्षेत्रीय दल इसे नहीं दिला सकते हैं। न ही तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, न ही डीएमके और न ही राष्ट्रवादी कांग्रेस प्रमुख शरद पवार। उन्होंने कहा कि वह ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठाएंगे जिस पर उनका नियंत्रण न हो।

गुलाम नबी आजाद जम्मू का दौरा पूरा करने के बाद रविवार को कश्मीर के बारामुला में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। आजाद ने 26 अगस्त को कांग्रेस से पांच दशक पुराना रिश्ता तोड़ते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और राहुल गांधी को कांग्रेस को पहुंची क्षति के लिए जिम्मेदार ठहराया था। बारामुला डाक बंगला में आयोजित सभा में आजाद ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वे अनुच्छेद 370 का मुद्दा नहीं उठा रहे हैं। लेकिन जब यह बिल लाया गया था तो उन्होंने विरोध किया था। मैं तब विपक्ष का नेता था जिसने 4 घंटे जमीन पर धरना-प्रदर्शन किया।

370 पर मेरे भाषण को कम से कम 200 देशों ने देखा है, अगर नहीं देखा तो उन्हें आंखों के डॉक्टर के पास जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी के आरोप पर कि आजाद ने बिल के समर्थन में वोट दिया था पर कहा कि उन्हें पहले जानना चाहिए कि संसद कैसे काम करती है। उन्होंने बिल के खिलाफ मतदान किया था। कहा कि मैं यहां वोट के लिए लोगों को बेवकूफ बनाने नहीं आया हूं। इस दुविधा में हमने एक लाख युवाओं को खो दिया है।

पिछले 10 सालों से कांग्रेस को 85 से ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। राज्यसभा में उसकी स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। मैं नहीं समझता कि कांग्रेस लोकसभा में कभी 350 सीटें जीत पाएगी। ऐसे में जनता को गुमराह क्यों किया जाए। मैं लोगों को चांद-तारे दिलाने के सपने नहीं दिखा सकता।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि वे 10 दिनों में नई पार्टी के गठन की घोषणा करेंगे। नई पार्टी की विचारधारा बिल्कुल स्वतंत्र होगी। नई पार्टी न तो किसी संगठन या पार्टी के साथ गठबंधन करेगी और न ही विलय। यह उनके जिंदा रहते संभव नहीं है। केवल उनकी मौत के बाद ही ऐसा संभव है। जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की बहाली और रोजगार व भूमि पर स्थानीय लोगों के हक को सुरक्षित करना उनकी पार्टी का मुख्य एजेंडा रहेगा।

आजाद ने अपने समर्थकों व सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी पार्टी विकास उन्मुख होगी। स्थानीय लोगों को रोजगार के मौके मुहैया करवाना एजेंडे में शामिल किया गया है। कहा कि नई पार्टी उनके नाम की तरह आजाद होगी। यह विचारधारा और सोच के स्तर पर। मेरे कई सहयोगियों ने पार्टी का नाम आजाद रखने की सलाह दी है, लेकिन मैंने हमेशा इन्कार किया है। उन्होंने कहा वह किसी पार्टी चाहे वह राष्ट्रीय है या स्थानीय उसके खिलाफ नहीं है। विभिन्न पार्टियों में उनके मित्र हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी मेडिकल कॉलेज होगा, वहां मेरा नाम का पत्थर होगा, हालांकि बहुतों ने इसे बदल दिया है। कई लोग आरोप लगाते हैं कि मैं भाजपा का आदमी हूं, लेकिन मैं केवल गुलाम नबी, नबी का गुलाम हूं।

# उत्तराखंड में दस और व्यक्तियों में डेंगू की पुष्टि

## अब तक 300 के पार पहुंच चुका है मरीजों का आंकड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः प्रदेश में डेंगू का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कुछ समय से रोजाना डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता और बढ़ गई है। रविवार को प्रदेश में दस व्यक्तियों में डेंगू की पुष्टि हुई।

इनमें देहरादून में नौ और टिहरी में एक मामला आया है। प्रदेश में अब तक डेंगू के 308 मामले आए हैं। जिनमें सबसे ज्यादा 120 मामले देहरादून में मिले हैं। इसके अलावा हरिद्वार में 116, पौड़ी गढ़वाल में 46, टिहरी गढ़वाल में 20 और नैनीताल में छह लोग में डेंगू की पुष्टि हुई है।

राहत इस बात की है कि अब तक आए मामले ज्यादा गंभीर प्रकृति के नहीं हैं। अधिकांश मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।इधर, देहरादून जिले में जिन नौ व्यक्तियों में डेंगू की पुष्टि हुई है, उनमें दो महिलाएं व सात पुरुष शामिल हैं। डिफेंस कालोनी, बल्लूपुर, राजीवनगर, तिलक रोड आदि क्षेत्रों में यह मामले आए हैं। इनमें दो मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। बाकी अपने घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। सभी रोगियों की स्थिति सामान्य है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी सुभाष जोशी ने बताया कि डेंगू प्रभावित व संभावित क्षेत्रों में डेंगू निरोधात्मक कार्रवाई एवं जन सामान्य को जागरूक किया जा रहा है। नगर निगम नगर, नगर पालिका, कैंट बोर्ड नियमित रूप से फागिंग, कीटनाशक दवा का छिड़काव आदि कर रहे हैं। वहीं, आशाएं डेंगू की रोकथाम के लिए वृहद स्तर लार्वा सर्वे, व प्रचार-प्रसार कर रही हैं।

तेज बुखार। सिर में तेज दर्द। आंखों के पीछे दर्द। मांसपेशियों (बदन) और जोड़ों में दर्द। स्वाद का पता न चलना। भूख न लगना। छाती पर खसरे जैसे दाने। चक्कर आना। जी घबराना और उल्टी आना।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा